RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 05 जुलाई 2025 वर्ष 07 अंक 77 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

हाईकोर्ट के आदेश पर मुंब्रा में ढहाई गई 18 इमारतें...

सीएम फडणवीस बोले- मराठी पर गर्व करना गलत नही

... लेकिन भाषा के आधार पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में मराठी भाषा पर गर्व करना गलत नहीं है। लेकिन अगर कोई भाषा के नाम पर गुंडागर्दी करता है, तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर किसी के साथ भाषा के आधार पर कोई मारपीट करता है, तो इसे भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'भाषा विवाद खड़ा किया तो कड़ी कानूनी कार्रवाई करेंगे'

फडणवीस की ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है, जब राज्य में मराठी भाषा न बोलने को लेकर विवाद बढ़ रहा है। यह विवाद उस समय और बढ़ गया, जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर एक गुजराती व्यक्ति को मराठी न बोलने को लेकर पीट दिया और घटना का वीडियो वायरल हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस ने इस घटना पर प्राथमिकी दर्ज की है और कार्रवाई भी की है। अगर भविष्य में कोई इस तरह का भाषा विवाद खड़ा करता है, तो उस पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हमें अपनी मराठी भाषा पर गर्व है, लेकिन भारत की किसी भी भाषा के साथ इस तरह का अन्याय नहीं किया जा सकता, यह बात हमें ध्यान में रखनी होगी।

'अंग्रेजी को गले लगाते हैं, हिंदी पर विवाद खड़ा करते हैं'

फडणवीस ने आगे कहा, कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि ये लोग अंग्रेजी को तो गले लगाते हैं, लेकिन हिंदी को लेकर विवाद खड़ा करते हैं। यह किस तरह की सोच है और यह किस तरह का व्यवहार है? इसलिए जो लोग कानून अपने हाथ में लेते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'मराठी बोलने के लिए नहीं कर सकते जबरदस्ती'

उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई मराठी व्यक्ति असम जाकर कारोबार करता है और उसे असम की भाषा नहीं आती, तो क्या उसकी पिटाई होनी चाहिए? उन्होंने कहा, अगर मराठी को लेकर अभिमान है, तो मराठी सिखाओ, क्लास शुरू करो। मराठी पर अभिमान है तो लोगों को मराठी बोलने के लिए प्रेरित करो। मराठी पर अभिमान है तो अपने बच्चों को मराठी पढ़ाओ, उन्हें ऐसे स्थानों पर क्यों पढाते हैं, जहां मराठी तीसरी भाषा है? हम लोगों से मराठी बोलने की अपील कर सकते हैं, लेकिन जबरदस्ती नहीं कर सकते। मुझे मराठी बोलना है तो बोलूंगा लेकिन अगर नहीं आती, तो क्या मारपीट करना ठीक है क्या? फडणवीस ने आगे कहा, 'मैं याद दिलाना चाहता हूं कि जिस समय छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण हो रहा था, उस समय शरद पवार ने 'जय महाराष्ट्र-जय कर्नाटक' कहा था। इसका मतलब यह होता है कि शरद पवार को कर्नाटक ज्यादा प्यारा है और महाराष्ट्र प्यारा नहीं है? हम लोग जहां जाते हैं, वहां के लोगों को जो अच्छा लगता है, हम बात करते हैं, सभी नेता करते हैं। अब गुजराती समाज में जाने के बाद 'जय महाराष्ट्र-जय गुजरात' कहा गया, तो मुझे लगता है कि इसमें इतना बवाल करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा, हम एक भारत के लोग हैं। हम सारे लोग भारतीय हैं। हमको पहला अभिमान महाराष्ट्र पर होना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे राज्यों के प्रति हमको कोई गुस्सा हो या उनके प्रति हमारा कोई तिरस्कार हो। पाकिस्तान के प्रति तिरस्कार समझा जा सकता है।

जय गुजरात ! अमित शाह के सामने एकनाथ शिंदे ने लगाया ऐसा नारा...

महाराष्ट्र में मचा हड़कंप !

पुणेः महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना के प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे ने पुणे में एक कार्यक्रम में जय गुजरात का नारा दिया है। उपमुख्यमंत्री शिंदे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में कोंडवा में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद थे। उस समय उन्होंने अपने भाषण में अमित शाह की जमकर तारीफ की। अपने भाषण का समापन करते हुए उन्होंने जय हिंद, जय महाराष्ट्र, जय गुजरात जैसे नारे दिए। शिंदे की ओर से दिए गए जय गुजरात के नारे से कई लोगों की भौंहें तन गईं। दरअसल भाषण के आखिर में शिंदे ने जय हिंद, जय महाराष्ट्र कहा। इसके बाद वे कुछ पल के लिए रुके। इसके बाद उन्होंने जय गुजरात का नारा दिया।

पुणे के दौरे पर अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज पुणे के दौरे पर हैं। पुणे में उनके चार कार्यक्रम हैं। उनका पहला कार्यक्रम राष्ट्रीय सुरक्षा अकादमी में संपन्न हुआ। इसके बाद वे कोंडवा स्थित जयराज स्पोर्ट्स एंड कन्वेंशन सेंटर के उद्घाटन में पहुंचे। यह कार्यक्रम शहर के गुजराती समुदाय की ओर से आयोजित किया गया था। उस समय शाह के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार भी मौजूद थे। दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने भाषण दिया। शिंदे का भाषण खास तौर पर ध्यान खींचने वाला था।

शिंदे ने क्या कहा कि मच गया हंगामा?

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने भाषण में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की तारीफ की। उन्होंने जय हिंद, जय महाराष्ट्र, जय गुजरात के नारे के साथ अपना भाषण समाप्त किया। जय हिंद, जय महाराष्ट्र कहने के बाद शिंदे कुछ पल के लिए रुके। वह कुछ पल के लिए माइक्रोफोन से दूर चले गए। लेकिन अगले ही पल वह माइक्रोफोन के करीब आए और जय गुजरात का नारा लगाया। इस पर उपस्थित लोगों में हड़कंप मच गया।

राजनीति में बंटे, लेकिन मराठी अस्मिता में एकजुट

20 साल बाद एक मंच पर आएंगे राज और उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा मोड़ तब आया जब लंबे समय बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे शनिवार को एक साथ सार्वजनिक मंच साझा करेंगे। यह 'विजय रैली' मुंबई के वर्ली इलाके में एनएससीआई डोम में आयोजित की जाएगी, जहां ये दोनों नेता महाराष्ट्र सरकार की तीन-भाषा नीति को वापस लेने की खुशी में लोगों को संबोधित करेंगे।

क्या है मुद्दा?

महाराष्ट्र सरकार ने अप्रैल में एक सरकारी आदेश के तहत कक्षा एक से पांच तक हिंदी भाषा को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाने की घोषणा की थी। इसके खिलाफ राज्यभर में विरोध शुरू हो गया। शिवसेना (उद्धव गुट) और मनसे (राज ठाकरे की पार्टी) ने इस आदेश को हिंदी थोपी जा रही है बताकर जलाकर विरोध किया। राजनीतिक दबाव और जनभावनाओं को देखते

हुए सरकार ने 29 जून को यह आदेश वापस ले लिया और हिंदी को वैकल्पिक भाषा बना दिया।

उद्धव ठाकरे (शिवसेना यूबीटी) और राज ठाकरे (मनसे) अब इसे जनता की जीत मानते हुए शनिवार को विजय उत्सव मना रहे हैं। यह आयोजन वर्ली के एनएससीआई डोम में होगा, जो आदित्य ठाकरे का विधानसभा क्षेत्र भी है। इस मौके पर कोई पार्टी झंडा, चुनाव चिह्न या झंडा इस्तेमाल नहीं किया जाएगा, लेकिन इस एकता का राजनीतिक संदेश साफ है। दोनों ठाकरे भाई आखिरी बार 2005 में मालवण उपचुनाव के दौरान एक साथ मंच पर आए थे। उसी साल राज ठाकरे ने शिवसेना छोड़कर 2006 में अपनी पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बनाई थी।

कौन-कौन शामिल हो रहा है?

एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता सुप्रिया सुले या जीतेन्द्र आव्हाड कार्यक्रम में शामिल होंगे। कांग्रेस इस मंच पर शामिल नहीं होगी, लेकिन उसने मराठी भाषा के समर्थन में अपनी वैचारिक एकजुटता जताई है। इसके साथ ही साहित्य, कला, नाटक और सांस्कृतिक क्षेत्रों के लोग भी आमंत्रित किए गए हैं।

संपादकीय...

अधिकारों की निशानदेही...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

अपने अधिकारों की निशानदेही करते हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने प्राकृतिक आर्थिकी के महत्त्व को पुनः रेखांकित किया है। मौसम बरसात का था, तो तपोवन का विधानसभा परिसर बता रहा था कि पर्वत के आकाश पर कितनी बड़ी छतरी होती है, जो देश के आंचल को बचा सकती है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन की नींव पर हिमाचल दरअसल पर्वतीय एहसास करा रहा है। जितनी जरूरी हैं पर्यावरण संरक्षण की नीतियां, उतनी ही जरूरी हैं पर्वतीय राज्यों के लिए अलग नीतियां। पर्वतीय राज्य हर सूरत और सीरत में पर्यावरण राज्य हैं। हिमालय के सारे वरदान देश को मिलते हैं, तो सिसकियां क्यों अकेली इनके नाम छोड़ दी जातीं। अभी बरसात के आगमन के आरंभिक दौर ने ही हिमाचल की संपत्तियों को लूट लिया, तो आपदा के अनुमान का राष्ट्रीय गणित ईमानदार होना चाहिए। एक हफ्ते ने हजार करोड़ की चपत नहीं लगाई, बल्कि जीवन की हर उमंग को रोक दिया। प्रदेश की रफ्तार घर से सरकार तक रुकती है, तो इन घावों पर मरहम की दरकार रहती है। यह उस इंतजार का प्रतिफल है जो ग्रीष्म काल में मैदानी मिट्टी का सीना सुखा देता है, जल संकट से देश के अस्सी फीसदी भाग को मुर्झा देता है, कई राज्यों के बीच तनाव बढ़ जाते हैं और तब एक पुकार 'अल्लाह मेघ दे-पानी दे' की होने लगती है, लेकिन जब बरसात आती है तो पहाड़ की कीमत व दौलत भुला दी जाती है। पानी की कीमत अंतरराष्ट्रीय राजनय के बल सीधे कर सकती है, तो घरेलू मसलों को क्यों नहीं। जल को संसाधन मानने के लिए सर्वप्रथम उन मसलों को देख लें, जहां कई प्रदेश सरकारें माननीय सर्वोच्च न्यायालय की फाइलों में माथा रगड़ रही हैं। पंजाब-हरियाणा व दक्षिण भारत के कई राज्यों के बीच जल बंटवारों का निष्पादन अगर 'संपत्ति के हक' की तरह है, तो सर्वप्रथम यह हिमालय का हक है, हिमालय को बचाने वाले राज्यों का अधिकार है।

भले ही हिमाचल की लोकसभा में चार सीटें हैं, लेकिन पूरे हिमालयी राज्यों की चालीस से 42 संसदीय सीटों के पर्वतीय सरोकार एक जैसे हैं। ऐसे में अगर हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरणीय वजूद जिंदा रखते हुए आर्थिक व विकासात्मक संरचना का उत्थान करना है, तो केंद्र में एक स्वतंत्र 'पर्वतीय विकास मंत्रालय' के गठन की जरूरत है। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पंजाब के कंडी क्षेत्र व पश्चिमी बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, रिम्बिक, कुर्सियांग व संदकफू जैसे इलाकों का विकास भी मैदानी शर्तों पर नहीं हो सकता। दूसरी ओर भले ही कश्मीर और पूर्वोत्तर की अशांति को ढांपने के लिए केंद्र की आर्थिक मदद काम कर जाए, लेकिन पूरे हिमालय क्षेत्र को न्याय देने के लिए 'पर्वतीय विकास मंत्रालय' की स्थापना वक्त की जरूरत है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

हाईकोर्ट के आदेश पर मुंब्रा में ढहाई गई 18 इमारतें

19 जून से 3 जुलाई तक 124 अनधिकृत निमार्णों पर बुलडोजर से कार्रवाई

ठाणे : ठाणे महानगरपालिका के अतिक्रमण विरोधी पथक ने 19 जून से 3 जुलाई तक शहरभर में 124 अनधिकृत बांधकामों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें जमींदोज कर दिया। इस विशेष मुहिम के तहत शील इलाके के एम. के. कम्पाऊंड में 18 अनधिकृत इमारतों को ढहाया गया, जबकि 21 में से बाकी इमारतों पर कार्रवाई जारी है। यह मुहिम उच्च न्यायालय के आदेशों और प्रभाग समितियों की निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर चलाई जा रही है।

महापालिका आयुक्त सौरभ राव के निर्देश पर नौ प्रभाग समितियों में उपायुक्त स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में विशेष पथक गठित किए गए हैं। बीट निरीक्षकों द्वारा चिह्नित किए गए नए और चालू अनधिकृत निमार्णों को प्राथमिकता से ढहाया जा रहा है। इन निमार्णों में आरसीसी इमारतें, बैठी चॉलें, शेड, बंगले, टर्फ, नालों के किनारे और आरक्षित भूखंडों पर हुए निर्माण शामिल हैं। उपायुक्त शंकर पाटोले ने बताया कि हरित क्षेत्र और खाड़ी किनारों पर भी अनधिकृत निमार्णों की जांच शुरू है और उस पर भी कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत नौपाडा-कोपरी में 10, दिवा में 28, मुंब्रा में 15, कलवा में 12, उथलसर में 11, माजिवडा मानपाडा में 20, वर्तक नगर में 14, लोकमान्य नगर में 10 और वागळे इस्टेट में 4 निमार्णों को ध्वस्त किया गया है। शील में चल रही निष्कासन कार्रवाई में अब तक 18 इमारतों को तोड़ा जा चुका है, जबकि बाकी इमारतों पर काम प्रगति पर है। इस दौरान परिमंडल उपायुक्त मनीष जोशी, उपायुक्त शंकर पाटोले और सचिन सांगले की निगरानी में कार्रवाई की गई। पूरे अभियान की दैनिक समीक्षा अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे द्वारा की जा रही है। अभियान में महापालिका के विविध विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, इंजीनियर, पुलिस, महाराष्ट्र सुरक्षा बल और भारी यंत्रसामग्री जैसे पोकलेन, जेसीबी, ट्रॅक्टर ब्रेकर व गॅस कटर का उपयोग किया गया।

रंगदारी वसूलने के मामले में गिरफ्तार पुलिसकर्मी सेवा से निष्कासित

गुटखा व्यापारी का अपहरण करके वसूली

मुंबई : डीएन नगर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें दो पुलिसकर्मी और दो अन्य आरोपियों ने मिलकर एक गुटखा व्यापारी का अपहरण कर 40,000 रुपये रंगदारी मांगे, पैसे न देने पर व्यापारी को जबरन दादर रेलवे स्टेशन के पुल से फेंकने की कोशिश की गई। सौभाग्य से व्यापारी पुल की रेलिंग में फंस गया और उसकी जान बच गई। मामले में शामिल दो आरोपियों को पुलिस की सेवा से निष्काषित कर दिया गया है।

इस गंभीर अपराध में शामिल चारों आरोपियों की पहचान नितिन कचरू गाढवे, हेमंत कापसे, चंद्रशेखर मधुकर दराडे और सागर रामदास वाघ के रूप में हुई है। इनमें से दो आरोपी पुलिस में कार्यरत थे, जिन्हें अब सेवाओं से बर्खास्त कर दिया गया है। आरोपियों में से एक मंत्री का बॉडी गार्ड है, जबकि एक महिला पुलिसकर्मी का पति है, एक एमएसएफ गार्ड है, जबकि एक और पुलिसकर्मी है। यह घटना पिछले सप्ताह अंधेरी के डीएन नगर इलाके में घटित हुई। चारों आरोपियों ने एक व्यापारी को जबरन कार में बैठाकर अपहरण कर लिया और उससे 40,000 रुपए की मांग की। व्यापारी द्वारा पैसे देने से इंकार करने पर उसे दादर रेलवे स्टेशन के पुल से नीचे फेंकने की कोशिश की गई। हालांकि, वह रेलिंग में फंस गया और गंभीर रूप से घायल होने से बच गया। पीड़ित व्यापारी ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। मामले की जांच जारी है और पुलिस यह जानने में जुटी है कि क्या इस गिरोह ने पहले भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया है।

विदेश भागने की फिराक में था ड्रग तस्कर 'फरहान'

हैदराबाद एयरपोर्ट से 2.12 करोड़ के एमडी संग गिरफ्तार

ठाणे : मानपाड़ा पुलिस स्टेशन की क्राइम ब्रांच ने ड्रग तस्करी के एक सनसनीखेज मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए मुख्य फरार आरोपी मोहम्मद रहीम सलीम शेख उर्फ फरहान को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 1.93 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) जब्त किया गया, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत 2.12 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

यह मामला 27 जून को दर्ज हुआ था, जब मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धाराएं 8 (ए), 21 (ए) और 22 (ए) के तहत मामला पंजीकृत किया गया। प्रारंभिक जांच में तीन आरोपियों असील जबार सुर्वे (26 वर्ष), मोहम्मद ईसा मोहम्मद हनीस कुरैशी और एक महिला आरोपी मेहर फातिमा रिजवान देवजानी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। लेकिन इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड फरहान तब से फरार था। पुलिस को गुप्त जानकारी मिली कि फरहान देश छोड़कर विदेश भागने की योजना बना रहा है। इस सूचना के आधार पर एक विशेष टीम ने 29 जून को हैदराबाद एयरपोर्ट पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। 3 जुलाई को उसे डोंबिवली की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 7 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि फरहान का नेटवर्क देश के अलग-अलग राज्यों से लेकर विदेश तक फैला हुआ है।

मुंबई : मौसमी बीमारियों में चिंताजनक उछाल

मलेरिया के 884 मामले दर्ज

मुंबई : इस साल दो सप्ताह पहले मानसून आने से मौसमी बीमारियों में चिंताजनक उछाल आया है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि शहर में मलेरिया के मामले पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में जून 2025 में लगभग दोगुने हो जाएंगे। अकेले जून में, मुंबई में मलेरिया के 884 मामले दर्ज किए गए, जो जून 2024 में 443 से काफी अधिक है। चिकनगुनिया, जिसका पिछले साल कोई मामला नहीं था, अचानक 21 संक्रमणों के साथ उभरा है, और डेंगू, जो एक बारहमासी खतरा है, इस मानसून में 105 मामलों के साथ खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। शहर भर के डॉक्टरों की रिपोर्ट है कि अस्पतालों में मच्छर जनित और जल जनित बीमारियों से पीड़ित रोगियों की लगातार आमद देखी जा रही है।

शुक्र है कि अभी तक किसी की मौत की सूचना नहीं मिली है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि जोखिम अभी भी अधिक है, खासकर घनी आबादी वाले इलाकों, झुग्गी बस्तियों और निमार्णाधीन क्षेत्रों में, जो मच्छरों के प्रजनन के लिए हॉटस्पॉट हैं। नानावटी मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. हिमलता अरोड़ा ने बताया, ''26 मई को समय से पहले मानसून के आगमन के साथ-साथ खराब जल निकासी, जलभराव और चल रहे निर्माण ने मच्छरों के प्रजनन के लिए एकदम सही स्थिति पैदा कर दी है।

''मलेरिया के ज्यादातर मामले विवैक्स मलेरिया के हैं, जो सौभाग्य से उपचार के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है। हालांकि, डेंगू और चिकनगुनिया भी बढ़ रहे हैं।''मच्छर जनित बीमारियों के अलावा, मौसमी वायरल संक्रमण, फ्लू और टाइफाइड जैसी जल जनित बीमारियाँ भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, जिससे शहर में स्वास्थ्य संबंधी बोझ बढ़ रहा है। डॉ. अरोड़ा निवासियों से सक्रिय रहने का आग्रह करते हैंः बारिश के दौरान सड़क किनारे का खाना और पानी खाने से बचें, सुरक्षात्मक कपड़े पहनें, मच्छर भगाने वाली क्रीम का इस्तेमाल करें और घरों और सोसाइटियों के आसपास खड़े पानी को खत्म करें। स्थिर पानी में प्रजनन के मैदान बनने से रोकने के लिए सामुदायिक स्तर पर सतर्कता जरूरी है, खासकर निर्माण स्थलों और कूड़े के ढेरों में। बारिश के रुकने के कोई संकेत नहीं होने के कारण, मुंबई के निवासियों को इन बीमारियों को दूर रखने के लिए सतर्क रहने और स्वच्छता को प्राथमिकता देने की सलाह दी जाती है।

अदृश्य शक्ति कर रही है पीछा, महिला ने लगाई समुद्र में छलांग

कॉन्स्टेबल ने बचाई महिला की जान

मुंबई : बांद्रा इलाके में एक अजीबोगरीब घटना घटी, बांद्रा पश्चिम स्थित बँड स्टैंड परिसर में 53 वर्षीय महिला व्हेनेनटीया सरिता क्रासटा ने अदृश्य शक्ति द्वारा पीछा किए जाने के भ्रम में समुद्र में छलांग लगा दी। महिला को तैरना नहीं आता था, जिससे वह डूबने लगी। लेकिन मौके पर मौजूद सतर्क पुलिसकर्मी की तत्परता से उसकी जान बच गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक महिला का नाम व्हेनेनटीया सरिता क्रासटा है। महिला आशियाना अपार्टमेंट, सेंट बाप्टिस्ट रोड, बांद्रा पश्चिम में रहती हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, व्हेनेनटीया बँड स्टैंड परिसर में अकेली टहल रही थीं, तभी उन्हें यह भ्रम हुआ कि कोई उनका पीछा कर रहा है। इस डर और भ्रम की स्थिति में वह घबरा गईं और अचानक समुद्र में कूद गई। घटना के समय बांद्रा पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल साईनाथ देवडे उस क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। उन्होंने तुरंत स्थिति को देखते हुए बिना समय गंवाए समुद्र में छलांग लगाई और महिला को डूबने से बचा लिया। महिला उस वक्त आधी बेहोशी अवस्था में हैं। उसे तुरंत भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद वह होश में आई। जब महिला से पुलिस ने पूछताछ की, तो उसने अपना नाम और पता बताया। उसने यह भी कहा कि कोई अदृश्य शक्ति उसका पीछा कर रही थी और इसी डर से उसने जान बचाने के लिए समुद्र में छलांग लगाई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, व्हेनेनटीया पिछले 20 वर्षों से मानसिक बीमारी से पीड़ित हैं और उनका इलाज लगातार चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने उनके परिजनों को संपर्क कर घटना की जानकारी दी। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और महिला की मानसिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे आवश्यक मदद प्रदान की जा रही है।

नायगांव : विवाहिता ने की आत्महत्या, पति गिरफ्तार

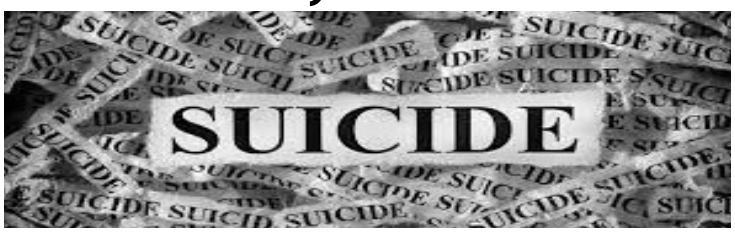

नायगांव : नायगांव पूर्व स्थित हासोबा नगर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 27 वर्षीय विवाहिता वंदना दीपक गुप्ता ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के पीछे की वजह चौंकाने वाली है। महिला ने यह कदम पति की लगातार शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर उठाया। वंदना के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर नायगांव पुलिस स्टेशन ने उसके पति दीपक रामजी गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ 2 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की धारा 108, 115(2), 3, 51(2), और 352 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता (वंदना की बहन) के अनुसार, वंदना को शादी के बाद से ही लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोपी पति शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था। उसे घर खर्च के लिए पैसे तक नहीं दिए जाते थे, जिससे वंदना आर्थिक और मानसिक रूप से बेहद परेशान रहने लगी थी। वंदना ने लंबे समय तक अत्याचार सहा, लेकिन सामाजिक दबाव और घरेलू कलह के नाम पर वह चुप रही। अंततः घटना की रात्रि में उसने घर में ही फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह आत्महत्या नहीं, बल्कि एक धीरे-धीरे मारी गई जिंदगी का आखिरी पड़ाव था। घटना की जानकारी मिलते ही नायगांव पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पति दीपक गुप्ता को हिरासत में लिया।

कोई पीछा कर रहा है... महिला ने समंदर में लगाई छलांग,

कांस्टेबल ने बचाई जान, मुंबई पुलिस ने बयां की स्टोरी...

मुंबईः मुंबई पुलिस के एक कांस्टेबल साईनाथ देवड़े ने ऐसा काम किया, जिसकी लोग तारीफ कर रहे हैं। साईनाथ ने समंदर में डूब रही 53 साल की महिला को अपनी जान पर खेलकर बचा लिया। महिला का नाम वेनेतिया सरिता क्रासटा है। वह बांद्रा वेस्ट की रहने वाली है। जब उसे समंदर से बाहर निकाला गया तो वह बेहोश थी। उसे तुरंत भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब उसकी हालत स्थिर है। वह पिछले 20 सालों से मानसिक बीमारी से परेशान चल रही थी। परिवार को इस घटना पर कोई शक नहीं है।

महिला

मानसिक तौर से बीमार है

मुंबई पुलिस ने पर पोस्ट किया कि 53 साल की एक मानसिक रूप से बीमार महिला बांद्रा बैंडस्टैंड पर समुद्र में कूद गई। उसे लग रहा था कि कोई उसका पीछा कर रहा है। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कांस्टेबल साईनाथ देवदे ने तुरंत पानी में छलांग लगाई और उसे बचा लिया। बांद्रा पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर संजय मराठे ने बताया कि महिला अब खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि वह पिछले 20 सालों से मानसिक बीमारी से जूझ रही है और उसका इलाज चल रहा है। महिला के परिवार की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि महिला को सही मानसिक स्वास्थ्य सेवा मिले। फिलहाल कांस्टेबल देवदे की बहादुरी की हर कोई तारीफ कर रहा है।

मई में भी एक कॉन्स्टेबल ने दिखाई थी बहादुरी

बता दें कि ऐसी ही एक घटना बीते मई में हुई थी। तब एक ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल ने मरीन ड्राइव के पास एक महिला को डूबने से बचाया था। लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। तब कांस्टेबल भिकाजी सुरेश गोसावी मरीन ड्राइव पर बी डी सोमानी चौक के पास तैनात थे। तभी एक राहगीर ने उन्हें बताया कि एक महिला ने पानी में छलांग लगा दी है। गोसावी ने तुरंत समुद्र में छलांग लगाई और महिला को बाहर निकाला। ट्रैफिक के संयुक्त पुलिस आयुक्त ने उन्हें उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया था।

मुंबई के सभी कबूतर खाना होंगे बंद!

मंत्री उदय सामंत की विधान परिषद में घोषणा

मुंबई : मंत्री उदय सामंत ने विधान परिषद में बताया कि मुंबई के सभी कबूतर खाने को बंद किया जाएगा। कबूतर खाने के आस-पास रहने वाले नागरिकों की मांग पर सरकार ने यह निर्णय लिया है। गुरुवार को शिवसेना की सदस्य मनीषा कायंदे ने कबूतर खाने का मुद्दा उपस्थित किया था, जिसके जवाब में वे बोल रहे थे। सामंत ने कहा कि मुंबई के कुल 51 कबूतर खाने हैं।

इस कबूतर खाने के कारण स्थानीय नागरिकों को प्रदूषण, बिमारी जैसे परेशानी का सामना कारण पड़ रहा है। इसलिए कबूतर खाना बंद करने के लिए मुंबई मनपा को आदेश दिया जाएगा। उदय सामंत ने कहा कि कबूतर खाने के कारण लोगों को सांस जैसे अनेक बिमारी होती है, जिसे गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने कबूतर खाने को बंद करने के लिए आदेश दिया था, लेकिन बाद में दोबारा शुरू कर दिया गया। कबूतर खाने के शुरू होने पर स्थानीय नागरिकों की स्वास्थ्य प्रभावित हो रही है। सामंत ने कहा कि एक महीने के भीतर कबूतर खाना बंद करने के लिए विशेष अभियान चलाने और जनजागृति अभियान शुरू करने के लिए मनपा को जल्द ही निर्देश दिए जाएंगे। इसके साथ साथ कबूतरों को दाना खिलाना बंद किया जाए इसके लिए जनजागृति अभियान शुरू किया जाएगा।

विवाह पूर्व थैलेसीमिया की जांच होगी अनिवार्य

सरकार बनाएगी नियमः मेघना बोर्डीकर...
राज्य में 12860 थैलेसीमिया के रोगी

मुंबई : स्वास्थ्य राज्य मंत्री मेघना बोर्डीकर ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में कहा कि सरकार विवाह से पहले लोगों के लिए थैलेसीमिया जांच को अनिवार्य बनाने संबधी नियम बनाएगी, ताकि जल्द से जल्द इस बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सके। वर्तमान में राज्य में लगभग 12,860 थैलेसीमिया के मरीज हैं। इसमें सबसे अधिक रोगियों की संख्या नागपुर सहित पूरे विदर्भ में है।

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विकास ठाकरे ने कहा कि थैलेसीमिया की विवाह से पहले जांच अनिवार्य की जाए। इस मांग पर राज्य मंत्री ने कहा कि हम जल्द ही विवाह से पहले जांच अनिवार्य करने के लिए नियम बनाएंगे। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर अनुवांशिक विकार है और अगर समय पर इसका निदान नहीं किया जाता तो यह अगली

पीढ़ी को भी हो सकता है। हमने परभणी में प्रायोगिक आधार पर एक परियोजना के साथ थैलेसीमिया उन्मूलन अभियान शुरू किया है, जिसे अब पूरे राज्य में विस्तारित किया जा रहा है। बोर्डीकर ने यह भी आश्वासन दिया कि हर जिले में थैलेसीमिया उपचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे। सरकार इस बीमारी के खिलाफ 'एक कदम थैलेसीमिया मुक्ति की ओर' अभियान शुरू कर चुकी है। जिसमें इस बीमारी से ग्रसित व्यक्ति को परिवहन से लेकर अस्पतालों में सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विधायकों की शिकायत के बाद मंत्री ने आश्वासन दिया कि निजी कंपनियों द्वारा खराब आयरन गोलियों की सप्लाई की जांच की जाएगी। यदि आरोप सही पाए गए तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने सदन को यह भी बताया कि कैंसर डायग्नोस्टिक वैन की खरीद में कथित भ्रष्टाचार की स्वास्थ्य विभाग आयुक्त द्वारा जांच की जा रही है।

अनुवांशिक रोग है थैलेसीमिया

थैलेसीमिया बच्चों को माता-पिता से अनुवांशिक तौर पर मिलने वाला रक्त-रोग है। इस रोग के होने पर शरीर की हीमोग्लोबिन निर्माण प्रक्रिया में गड़बड़ी हो जाती है, जिसके कारण रक्त क्षीणता के लक्षण प्रकट होते हैं। इसकी पहचान तीन माह की आयु के बाद ही होती है। इसमें रोगी बच्चे के शरीर में रक्त की भारी कमी होने लगती हैं, जिसके कारण उसे बार-बार बाहरी खून चढ़ाने की आवश्यकता होती है।

ठाणे : 25 जुलाई को सेंट जेम्स चर्च 200वीं वर्षगांठ

ठाणे : औपनिवेशिक इतिहास के सबसे पुराने स्थलों में से एक सेंट जेम्स चर्च को अपनी 200वीं वर्षगांठ मनाने के लिए नया रूप दिया जा रहा है। चर्च का निर्माण 1825 में ब्रिटिश अधिकारियों और सैनिकों के लिए पूजा स्थल के रूप में किया गया था, जब शहर, जिसे तब तन्ना या थाना के नाम से जाना जाता था, बॉम्बे प्रांत के एक बड़े जिले का मुख्यालय था। चर्च की इमारत पर जीर्णोद्धार का काम छह महीने तक जारी रहने की उम्मीद है, लेकिन जयंती 25 जुलाई को मनाई जाएगी। पुजारी प्रभारी रेवरेंड राजेंद्र भोसले ने बताया कि चर्च उस समय सिविल लाइन्स में है, जहां जिला कलेक्टर, न्यायालय, पुलिस मुख्यालय, जेल, डाकघर और औपनिवेशिक प्रशासन के अन्य प्रभागों के कार्यालय स्थित हैं।

जुहू-वसोर्वा लिंक रोड पर भूखे मर रहे हैं एक खुले प्लॉट में रहने वाले 45 से अधिक कुत्ते

मुंबई : जुहू-वसोर्वा लिंक रोड पर एक खुले प्लॉट में रहने वाले 45 से अधिक कुत्ते तीन दिनों से भूखे मर रहे हैं, क्योंकि प्लॉट के प्रवेश द्वार को गणपति पंडालों ने बंद कर दिया है। कुत्तों को खाना खिलाने वाले कार्यकर्ता ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि बृहन्मुंबई नगर निगम ने कई बार अनुरोध करने के बाद भी कुत्तों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है। बुधवार को, जुहू निवासी वंदना महार, जो पिछले आठ वर्षों से अंधेरी (पश्चिम) में जुहू वसोर्वा लिंक रोड पर 120 से अधिक जानवरों को खाना खिला रही हैं, ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड को लिखा कि वृंदावन गुरुकुल के बगल में एक खुले प्लॉट पर जन्मे और पले-बढ़े 45 से अधिक कुत्ते भूखे मर रहे हैं, क्योंकि गेट के सामने गणपति की मूर्तियाँ बेचने वाले पंडाल आ गए हैं। पत्र के माध्यम से, उन्होंने इस मामले में बृहन्मुंबई नगर निगम के के/पश्चिम वार्ड के अधिकारियों द्वारा निष्क्रियता का आरोप लगाया।

महार ने दावा किया कि बीएमसी द्वारा उक्त भूखंड पर अवैध झुग्गियों को ध्वस्त करने के बाद पिछले चार वर्षों से वे इन कुत्तों को खाना खिला रही हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि जब से बीएमसी ने भूखंड के गेट को बंद किया है, तब से वे दीवार फांदकर कुत्तों को खाना खिलाने के लिए भूखंड में प्रवेश कर रही हैं, जिसे अब भूखंड के बाहर पंडालों ने अवरुद्ध कर दिया है। बात करते हुए उन्होंने कहा, ''दो बार भोजन और पानी के साथ पांच फीट की दीवार पर चढ़ना और जानवरों को खिलाना मुश्किल है। हालांकि, पंडालों ने अब भूखंड में प्रवेश करने का एकमात्र रास्ता अवरुद्ध कर दिया है और कुत्तों को आखिरी बार खाना खिलाए हुए तीन दिन हो गए हैं। अगर वे मेरे लिए भूखंड में प्रवेश करने के लिए कुछ जगह नहीं खोलते हैं, तो ये कुत्ते लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाएंगे।''प्योर एनिमल लवर्स (पीएएल) फाउंडेशन से कानूनी मदद लेने के बाद महार ने एडब्ल्यूबीआई और बीएमसी के पशु चिकित्सा विभाग को एक पत्र लिखा। गुरुवार को, बीएमसी के पशु चिकित्सा विभाग ने के/वेस्ट वार्ड के सहायक नगर आयुक्त को पत्र लिखकर एडब्ल्यूबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति देने के लिए कहा।

मुंबई : 61 वर्षीय व्यक्ति को साइबर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह ने 1.36 करोड़ रुपये की ठगी

मुंबई : सीवुड्स निवासी 61 वर्षीय व्यक्ति को साइबर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह ने 1.36 करोड़ रुपये की ठगी की है। गिरोह ने उसे एक फर्जी मोबाइल ऐप के माध्यम से फर्जी शेयर बाजार योजनाओं में निवेश करने का लालच दिया। नवी मुंबई साइबर पुलिस ने धोखाधड़ी और आईटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है और अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना तब प्रकाश में आई जब पीड़ित, एक वरिष्ठ नागरिक ने शिकायत दर्ज कराई कि उसे इस साल फरवरी में शेयर बाजार निवेश से संबंधित एक फेसबुक विज्ञापन मिला था। लिंक पर क्लिक करने और व्यक्तिगत विवरण दर्ज करने के बाद, उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जिसके सदस्य शेयर निवेश पर उच्च रिटर्न कमा रहे थे।

दो महिलाओं, जिन्होंने खुद को प्रिया शर्मा और रिया रावत के रूप में पहचाना, ने पीड़ित को बताया कि कैसे और कहाँ निवेश करना है। उन्हें गिरोह द्वारा प्रदान किए गए लिंक में और अधिक विवरण दर्ज करने और ''ASK-IATOP''नामक एक ऐप डाउनलोड करने के लिए भी कहा गया। ऐप ने किए गए निवेश पर गलत तरीके से लाभ दिखाया, जिससे पीड़ित ने निवेश जारी रखने का फैसला किया। 17 मार्च से 30 अप्रैल के बीच पीड़ित ने यह मानकर कुल 1.36 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए कि उसका पैसा बढ़ रहा है। आखिरकार, ऐप ने 6.08 करोड़ रुपये का मुनाफा दिखाया।

संपर्क कार्यालय : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com
www.rokthoklekaninews.com facebook@rokthoklekhani youtube@rokthoklekhani twitter@rokthoklekhani